



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2022

दिनांक Date: 21.08.2023





YouTube channel: <https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxxAuSvQ>
Facebook Page: <https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553>

Twitter: @IisrIcar

Whatsapp & Telegram: IISR Soy Farmers







**सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(21-27 अगस्त 2023 / 21st-27th August 2023)**

सोयाबीन वर्तमान में फसल लगभग 45-60 दिनों की है एवं फुल आने/फलियों में दाने भरने की स्थिति में हैं। इस स्थिति में सोया कृषकों को निम्न सलाह दी जा रही है। Presently, the crop in majority of the areas is passing through flowering/pod initiation/grain filling stage. Farmers are therefore advised to adopt following measures.

अ. सूखा प्रबंधन/बीजोत्पादन/चूहों द्वारा किये जा रहे नुकसान पर अत्यंत महत्वपूर्ण सलाह		
A. Advisory for the management of drought/seed production/damage due to rats		
1.	<p>सूखे की स्थिति में जिन कृषकों के पास सिंचाई की व्यवस्था है, अधिक समय तक बारिश की प्रतीक्षा करने के स्थान पर भूमि में दरारे पड़ने से पूर्व ही फसल में सिंचाई करें। साथ ही नमी संरक्षण के वैकल्पिक उपाय जैसे भूसे (5 टन/हे) की पलवार लगाये।</p> <p>In case of long dry spell, farmers having irrigation facility are advised to apply lifesaving irrigation to soybean crop before the development of soil cracks. In addition, alternative measures like straw mulching (5 tonne/ha) is suggested.</p>	
2.	<p>ऐसे किसान जो आगामी वर्ष के लिए उपयोगी सोयाबीन बीज का बीजोत्पादन कर रहे हैं, शुद्धता बनाये रखने के लिए फूलों के रंग एवं पौधों/पत्तियों/तने पर पाए जाने वाले रोये के अधर पर भिन्न किस्मों के पौधों को अपने खेत से निष्कासित करें।</p> <p>Farmers are advised to carry out roughing (removal of off-type plants belonging to other varieties) in order to maintain seed purity. The off plants can be differentiated based in flower color or pubescence found on the plant/leaves/pods/stem.</p>	
3.	<p>जहाँ पर कम समयावधि में पकने वाली किस्मे लगी हैं, कृषकों को सलाह है कि चूहों द्वारा फलियों के अन्दर दाने खाने से होने वाले नुकसान से बचाने हेतु प्रबंधन के उपाय अपनाये। इसके लिए फ्लोकोउमाफेन 0.005% रसायन से बने प्रति हेक्टेयर 15-20 बेट/हे. बनाकर चूहों के छेदों के पास रखे।</p> <p>Farmers having short-duration soybean varieties are advised to manage the yield loss caused due to feeding of rats on tender pods. This can be done by keeping the poison baits (15-20/ha) made of Flocoumafen 0.005% Block Bait (Strom) near the rat holes.</p>	 


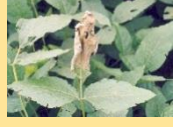
ब. रोग प्रबंधन हेतु सम-सामायिक सलाह

B. Advisory for the control of fungal/viral diseases

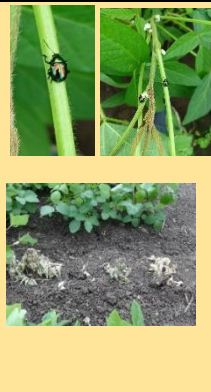
4.	<p>कृषकों को सलाह है कि फफूंदजनित रोगों से सुरक्षा हेतु अपनी फसल पर टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1250 ग्राम/हे) या कार्बेन्डाजिम+मेन्कोजेब 63% WP (1250 ग्राम/हे) या पिकोक्सीस्ट्रोबिन 22.52% w/wSC (400 मिली/हे) या फ्लुक्सापाग्रोक्साड 167 g/l + पायरोक्लोस्ट्रोबीन 333 g/l SC (300 ग्रा/हे.) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन 133 g/l + इपिक्साकोनाजोल 50g/l SE (750 मिली/हे) जैसे अनुशंसित फफूंदनाशकों में से किसी एक का सुरक्षात्मक छिड़काव करें. इससे एन्थ्राकनोज, रायजोक्टोनिया एरियल ब्लाइट जैसे फफूंदजनित रोगों का नियंत्रण हो सकेगा.</p> <p>Farmers are advised to apply protective spray of any one of the recommended fungicides like like Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1250 g/ha) OR Carbendazim+Mancozeb 63%WP (1250 g/ha) OR Picoxystrobin 22.52% w/w SC (400 ml/ha) OR Fluxapyroxad 167 g/l + Pyraclostrobin 333 g/l SC (300 g/ha) OR Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50g/l SE (750 ml/ha) as a protective spray for control of fungal diseases. The spray of these fungicides are advised for the control of fungal diseases like anthracnose/rhizoctonia aerial blight also.</p>	 <p>एन्थ्राकनोज के लक्षण</p>  <p>Rhizoctonia aerial blight</p>
5.	<p>जहाँ पर पीले मोजेक वायरस रोग के लक्षण देखे जा रहे हैं, कृषकों को सलाह है कि इसके प्रारंभिक लक्षण दीखते ही तत्काल रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें एवं अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.</p> <p>Wherever, the symptoms of YMV are seen, farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts and installation of yellow sticky traps for the control of its vector i.e. White fly.</p>	 
6.	<p>पीले मोजेक वायरस या सोयाबीन मोजेक वायरस रोग को फैलाने वाले वाहक कीट सफ़ेद मक्खी एवं एफिड के नियंत्रण हेतु अनुशंसित कीटनाशक एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिड़काव करें. इसके स्थान पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) का भी छिड़काव किया जा सकता है. का भी छिड़काव किया जा सकता है. इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है.</p> <p>For control of YMV/SMV diseases, farmers are also advised to apply the spray of Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) for control of white fly/aphids. Alternatively, you may also use either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). This will also facilitate the control of stem flies. Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies, the vector of YMV.</p>	 

स. कीट नियंत्रण हेतु सम-सामायिक सलाह

C. Advisory for the control of insect-pests


7.	<p>चक्र भृंग के नियंत्रण हेतु सलाह है कि प्रारंभिक अवस्था में ही आइसोसायक्लोसरम 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 मिली/हे) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी. (250-300 मिली/हे) या थायक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. (750मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी (1 ली./हे) या इमामेक्टीन बेन्जोएट (425मिली/हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी 18.50 % SC का छिड़काव करें। यह भी सलाह दी जाती है कि इसके फैलाव की रोकथाम हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट कर दें.</p> <p>For control of girdle beetle alone, farmers are advised for destruction of affected plant part as well as spraying with Isocycloseram 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Thiacloprid 21.7 S.C. (750 ml/ha) OR Profenophos 50 E.C. (1 l/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC OR Chlorantraniliprole 18.50 % SC (150 ml/ha) soon after the symptoms are observed.</p>	  <p>Damage Symptoms of Girdle Beetle</p>
----	---	---

8.	<p>बिहार हेयरी कैटरपिलर का प्रकोप होने पर किसानों को सलाह है कि प्रारंभिक अवस्था में झुण्ड में रहने वाली इन इल्लियों को पौधे सहित खेत से निष्कासित करें एवं इसके नियंत्रण हेतु फसल पर लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी.एस. (300 मिली/हे) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी. (333 मिली/हे) का छिड़काव करें. In case of attack due to bihar hairy caterpillar, farmers are advised to remove the affected plant and apply spray of Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) or Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha).</p>	
9.	<p>पत्ती खाने वाली इल्लियाँ जैसे सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली का एक साथ प्रकोप हो या इनमें से किसी भी एक इल्ली के नियंत्रण हेतु निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या ब्रोफ्लानिलाइड 300 एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी, (150मि.ली./हे) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे केवल तम्बाकू की इल्ली के नियंत्रण हेतु), या पूर्वमिश्रित बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/है :सेमीलूपर इल्ली के नियंत्रण के लिए) या पूर्वमिश्रित थायमिथोक्सम + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/है सेमीलूपर इल्ली के नियंत्रण के लिए) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % ZC, (200 मिली/हे सेमीलूपर इल्ली के नियंत्रण के लिए) का छिड़काव करें. इनसे पत्ती खाने वाली इल्लियों के साथ साथ फूल खाने वाली इल्लियों का नियन्त्रण हो सकेगा.</p> <p>For control of defoliators like Semilooper, tobacco caterpillar and heliothis, farmers are advised to spray any one of the following insecticides: Quinalphos 25EC (1 l/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC (825-875 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Spinetoram 11.70 % SC (150 ml/ha for control of tobacco caterpillar only) OR pre-mixed Beta-cyfluthrin 08.49 % + Imidacloprid 19.81 % w/w OD (350 ml/ha-effective against semilooper) OR Thiamethoxam 12.60 % + Lambda-cyhalothrin 09.50 % ZC (125 ml/ha-effective against semilooper) OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha-effective against semilooper). This may also help to reduce the damage caused by defoliators who are found eating the flowers.</p>	
10.	<p>पत्ती खाने वाली तीनों इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) या इनमें से कोई एक इल्ली के साथ-साथ रस चूसने वाले कीट (सफ़ेद मक्खी/एफिड) एवं तना छेदक कीट (तना मक्खी/चक्र भृंग) के एक साथ नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. या थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) का छिड़काव करें.</p> <p>In such areas where having infestation of defoliators as well white fly and stem borers simultaneously, it is advised to spray the crop with either one of the premixed formulations like Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha) OR Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha).</p>	
<p>द. कम महत्वपूर्ण/कम नुकसान करने वाले कीट एवं उनका नियंत्रण D. Less important/miner insects and their control measures</p>		
11.	<p>मध्य प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में सोयाबीन फसल पर इस वर्ष “कॉटन ग्रे वीविल” नामक कीट का प्रकोप देखा जा रहा है, जो पत्तियों को किनारों से कुतर कर खाता है. इसी प्रकार इस वर्ष टस्क मोथ नामक कीट का भी प्रकोप देखा जा रहा है. यह भी एक पर्णभक्षी कीट है. इनका प्रकोप अधिक होने पर इसी साप्ताहिक सलाह के बिंदु क्रमांक 9 पर पत्ती खाने वाले कीटों के नियंत्रण हेतु अनुसंधित कीटनाशकों में से किसी एक का छिड़काव करने की सलाह है.</p> <p>Infestation of “Cotton Grey Weevil” is observed in some part of Madhya Pradesh. This insect feeds on soybean leaves especially on the corners. Farmers are advised to spray the crop using any one of the insecticide recommended for the control of defoliators as given in point No. 9 of this weekly advisory.</p>	

<p>12.</p>	<p>मध्य प्रदेश के कुछ जिले (धार, इंदौर, शाजापुर, देवास) में सोयाबीन का रस चूसने वाले “जेवेल बग” नामक कीड़े का कुछ क्षेत्रों में देखा जा रहा है जो कि कभी-कभार ही देखा जाता है. अधिक प्रकोप होने पर इसके नियंत्रण हेतु सलाह है कि पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) या आइसोसायक्लोसरम 9.2 WW.DC (10% W/V) DC (600 मिली/हे.) या इंडोक्साकार्ब 15.8ई.सी. (333 मि.ली.) का छिड़काव करें. तना मक्खी के नियंत्रण के लिए भी इन्ही रसायनों का उपयोग करें.</p> <p>A miner pest of soybean named “Jewel bug” is reportedly seen in certain area of Dhar district in Madhya Pradesh. Farmers are advised to apply spray of Thiamethoxam 12.60%+Lambda Cyhalothrin 09.50% ZC @125 ml/ha OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) OR Isocycloserum 9.2WW.DC (10% W/V)DV @600 ml/ha OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha) immediately after the symptoms are noticed. These insecticides can also be used for control of Stem Fly.</p>	
------------	--	---

अन्य सुरक्षात्मक उपाय/सामान्य सलाह Other Precautionary Measures and general advise

<p>1</p>	<p>तम्बाकू की इल्ली एवं चने की इल्लियों के नियंत्रण हेतु बाजार में उपलब्ध कीट-विशेष फेरोमोन ट्रैप या प्रकाश प्रपंच लगाये. इनके सेप्टा लगाने से पूर्व अपने हाथ स्वच्छ है यह सुनिश्चित करें.</p> <p>For the management of Tobacco caterpillar and gram pod borer, farmers are advised for installation of insect-specific pheromone traps and use of NPV (250 LE/ha). Use of Emamectin benzoate (425 ml/ha) is also effective against these insects. Clean your hands before the installation of the septa.</p>	
<p>2</p>	<p>जैविक सोयाबीन उत्पादन करने वाले कृषकों को सलाह है कि पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली) से फसल की सुरक्षा एवं प्रारंभिक अवस्था में ही रोकथाम हेतु बेसिलस थुरिन्जिएन्सिस अथवा ब्युवेरिया बेसिआना या नोमुरिया रिलेयी (1.0 ली./हेक्टे) का छिड़काव करें.</p> <p>Farmers are advised to use <i>Bacillus thuringiensis</i> or <i>Beauveria bassiana</i> or <i>Nomuriya rileyi</i> @ 1 l/ha for control of defoliators (semilooper, tobacco caterpillar) especially in organic soybean production.</p>	
<p>3</p>	<p>कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा इल्लियों को खाने से होने वाले नियंत्रण को और सुविधाजनक बनाने हेतु सोयाबीन फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है .</p> <p>Install “T shaped” Bird Perches at different locations facilitating the easy access to the predatory birds for feeding on leaf eating caterpillars.</p>	
<p>4</p>	<p>वायरस जनित पीला मोज़ेक/सोयाबीन मोज़ेक रोगों से सुरक्षा हेतु इन रोगों को फैलाने वाले रसचूसक कीट सफ़ेद मक्खी/जासिड के नियंत्रण के लिए अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.</p> <p>Install Yellow Sticky Traps at different locations in the field as preventive measures for control of white fly and/or Jassids, acting as carriers for transmission of these viral diseases.</p>	
<p>5</p>	<p>अपने खेत की नियमित निगरानी करें एवं खेत में जाकर 3-4 स्थानों के पौधों को हिलाकर सुनिश्चित करें कि क्या आपके खेत में किसी इल्ली/कीट का प्रकोप हुआ है या नहीं और यदि है, तो कीड़ों की अवस्था क्या है? तदनुसार उनके नियंत्रण के उपाय अपनाये.</p> <p>Farmers are advised to monitor their crop on regular intervals preferably at 3-4 locations in their fields and see whether any insect/pest/caterpillar is there along with their stage. This will facilitate the effective insect control measures.</p>	
<p>6</p>	<p>सोयाबीन की फसल घनी होने पर चक्र भृंग का प्रकोप अधिक होने की सम्भावना होती है. इसके लिए प्रारंभिक अवस्था में ही (एक सप्ताह के अन्दर) दो रिंग दिखाई देने वाली ऐसी मुरझाई/लटकी हुई ग्रसित पत्तियों को तने से तोड़कर जला दे या खेत से बाहर करें.</p> <p>Densely populated soybean crop may leads to increased incidence of Girdle beetle. It is advised to pick/destroy the affected plant part (dried tripholiaste leaf having two rings on petiole) immediately after the symptoms are visible.</p>	

7.	<p>अपने खेतों में चूहों के नियंत्रण के उपाय अपनाए. इसके लिए फ्लोकोउमाफेन 0.005% रसायन से बने प्रति हेक्टेयर 15-20 बेट/हे. बनाकर चूहों के छेदों के पास रखे. Take necessary steps for the prevention of rats in the field. This can be done by keeping the poison baits (15-20/ha) made of Flocoumafen 0.005% Block Bait (Strom) near the rat holes.</p>	
8.	<p>सोयाबीन फसल पर पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों (कीटनाशक/फफूंद नाशक) के छिड़काव में पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रेयर या ट्रैक्टर चालित स्प्रेयर से 450 लीटर/हे पाँवर स्प्रेयर से 125 लीटर/हे न्यूनतम) का उपयोग करें. Farmers are advised to use recommended quantity of water while spraying the insecticide or herbicide (450 l/ha for knapsack/ tractor drawn sprayer OR 120 l/ha for power sprayer).</p>	
9.	<p>कीट एवं रोगों से फसल सुरक्षा हेतु उपयुक्त रसायनों का छिड़काव किया जाना चाहिए, भले ही सोयाबीन फसल फूल आने की अवस्था में हो. Protection of crop from the damage caused by insect-pest-disease is of paramount importance. The spray of insecticide/fungicide may be applied even at the flowering stage of the crop.</p>	
10.	<p>किसी भी प्रकार का कृषि-आदान क्रय करते समय दूकानदार से हमेशा पक्का बिल लें जिस पर बैच नंबर एवं एक्सपायरी दिनांक स्पष्ट लिखा हो . While purchasing any Agri-input, always obtain a <i>pucca bill</i> from the shopkeeper showing batch number and expiry date of the product(s).</p>	
11.	<p>ऐसे रसायन (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) जो सोयाबीन फसल में उपयोग हेतु भारत सरकार के केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा जारी सूचि में शामिल नहीं, उपयोग नहीं करें. Do not use such chemicals (insecticide/herbicide/fungicide) which are not having label claim for soybean duly approved by the Central Insecticide Board of GOI.</p>	
12.	<p>जिन रसायनों (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) के मिश्रित उपयोग की वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें. इससे फसल को नुकसान हो सकता है. Farmers are suggested not to use any combination of insect/herbicides, which is not recommended/tested, by the ICAR-IISR. This may cause damage/losses to the crop.</p>	

Please follow our social Media

